उत्तराखंड संस्करण
पंजाब केसरी

एम्स की हेली इमरजेंसी मेडिकल सर्विस बनी जीवन रक्षक

ऋषिकेश, (पंजाब केसरी): अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश द्वारा संचालित हेली इमरजेंसी मेडिकल सर्विस पहाड़ी और दूरदराज क्षेत्रों के गंभीर मरीजों के लिए जीवन रेखा साबित हो रही है। इस एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से अब तक 144 से अधिक मरीजों को समय पर एम्स पहुंचाकर इलाज उपलब्ध कराया गया है, जिससे कई जिंदगियां बचाई जा सकी हैं। यह सेवा 29 अक्टूबर 2024 को केंद्र और राज्य सरकार की साझेदारी में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई थी। यह देश की पहली ऐसी एयर एम्बुलेंस सेवा है, जो सुदूरवर्ती पहाड़ी क्षेत्रों में आपात स्थिति में फंसे मरीजों को तेजी से उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सक्षम है। एम्स प्रशासन के अनुसार, हेली सेवा का

मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं, ट्रॉमा केस, गंभीर बीमारी और आपदा जैसी परिस्थितियों में मरीजों को 'गोल्डन ऑवर' के भीतर अस्पताल पहुंचाना है। इस सेवा के चलते अब पहाड़ी क्षेत्रों से मरीजों को समय रहते एम्स ऋषिकेश लाकर उपचार संभव हो पाया है। एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो मीनू सिंह ने बताया कि 29 अक्टूबर 2024 से 17 मई 2025 के बीच कुल 63 गंभीर मरीजों को हेली एम्बुलेंस के माध्यम से एम्स लाया गया। इनमें 27 ट्रॉमा, 17 स्त्री एवं प्रसूति रोग, 17 मेडिसिन और 2 नवजात शिशु मामले शामिल थे।

हिन्दुस्तान

सुविधा | संकट में फंसे लोगों के जीवन को संजीवनी दे रही एम्स ऋषिकेश की 'हेली इमरजेन्सी मेडिकल सर्विस

हेली सेवा बनी पहाड़ के मरीजों की लाइफलाइन

ऋषिकेश, संवाददाता। एम्स ऋषिकेश द्वारा संचालित हेली इमरजेंसी मेडिकल सर्विस (हेम्स) सुदूरवर्ती पहाड़ी क्षेत्रों में बीमार और दुर्घटनाग्रस्त लोगों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। बीते डेढ़ वर्षों में इस सेवा के माध्यम से 144 गंभीर मरीजों को एयरलिफ्ट कर उनकी जान बचाई जा चुकी है।

एम्स ऋषिकेश में 29 अक्टूबर 2024 को हेली एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत हुई थी। केंद्र और राज्य सरकार की साझेदारी में संचालित यह देश की पहली ऐसी एयर एम्बुलेंस सेवा है, जो दूरस्थ पहाड़ी इलाकों में फंसे मरीजों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रही है। इस सेवा के जरिए प्रदेश के किसी भी क्षेत्र से गंभीर मरीजों को कम समय में एम्स पहुंचाया जा रहा है, जिससे विशेष रूप से ट्रॉमा और आपदा के मामलों में समय पर उपचार संभव हो पा रहा है।

ट्रॉमा के 64 मरीजों को मिल चुका है लाभ

आंकड़ों पर नजर डालें तो 29 अक्टूबर 2024 से 17 मई 2025 तक 63 मरीजों को एयरलिफ्ट कर एम्स पहुंचाया गया। इनमें ट्रॉमा के 27, स्त्री एवं प्रसूति रोग के 17, हृदय और मेडिसिन के 17 तथा नवजात शिशुओं के 2 मामले शामिल थे। वहीं, केदारनाथ में 'संजीवनी' हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बाद राज्य सरकार की वैकल्पिक हेली सेवा के जरिए 18 मई 2025 से 25 अप्रैल 2026 तक 81 मरीजों को लाभ मिला। इनमें ट्रॉमा के 37, स्त्री एवं प्रसूति रोग के 11, मेडिसिन के 27 और बाल रोग के 6 मामले शामिल हैं। इस तरह हेली इमरजेंसी मेडिकल सर्विस राज्य में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दे रही है।

एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि हेलीकॉप्टर से लाए गए सभी मरीज अत्यंत गंभीर अवस्था में होते हैं, जिन्हें संस्थान में उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि इस सेवा के परिणाम अब तक अत्यंत सकारात्मक रहे हैं। इसकी आवश्यकता और बढ़ने की संभावना है। हेली सेवा के नोडल अधिकारी डॉ. मधुर उनियाल के अनुसार, इस सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर 18001804278 और व्हाट्सऐप नंबर 9084670331 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्वतंत्र चेतना

'हेम्स' बनी संकटमोचकः एम्स ऋषिकेश की हेली इमरजेंसी सेवा से 144 लोगों को नई जिंदगी

दुर्घटना, आपदा और गंभीर बीमारियों में गोल्डन ऑवर के भीतर मिल रही त्वरित सहायता

ऋषिकेश(संवाददाता जीकेपी)। एम्स ऋषिकेश द्वारा संचालित हेली इमरजेंसी मेडिकल सर्विस (हेम्स) प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बनकर उभरी है। इस सेवा के माध्यम से अब तक 144 गंभीर मरीजों को समय रहते अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाई जा चुकी है। दूरदराज के पहाड़ी क्षेत्रों में दुर्घटनाग्रस्त या गंभीर रूप से बीमार लोगों को गोल्डन ऑवर के भीतर निभा रही है। राज्य सरकार के सहयोग से संचालित यह एयर एम्बुलेंस सेवा देश की पहली ऐसी पहल है, जो सुदूर क्षेत्रों में फंसे मरीजों के लिए संजीवनी साबित हो रही है।

पिछले एक वर्ष के दौरान ही 81 गंभीर मरीजों को हेली सेवा के जरिए एम्स लाकर उपचार उपलब्ध कराया गया, जबकि सेवा शुरू होने के बाद से ट्रॉमा, प्रसूति, हृदय एवं नवजात से जुड़े मामलों में लगातार केदारनाथ में मई 2०25 में 'संजीवनी' हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बावजूद राज्य सरकार की तत्परता से वैकल्पिक व्यवस्था कर सेवा को निर्बाध जारी रखा गया। 'हेम्स' के नोडल अधिकारी डॉ. मधुर उनियाल के अनुसार आपदाग्रस्त और गंभीर मरीजों को उच्च स्तरीय उपचार देने के लिए यह सेवा लगातार सक्रिय है और इसके लिए टोल फ्री नंबर 18००18०4278 व व्हाट्सएप नंबर 9०8467०331 भी जारी किए गए हैं।

एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि हेलीकॉप्टर के माध्यम से लाए गए सभी मरीज अत्यंत गंभीर अवस्था में होते हैं, जिन्हें संस्थान द्वारा टर्शियरी केयर स्तर का उपचार उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि 'हेम्स' के परिणाम बेहद सकारात्मक रहे हैं और चारधाम यात्रा के दौरान इसकी उपयोगिता और बढ़ने की संभावना है, जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को

प्रथम मंच

संकट में फंसे जीवन को संजीवनी दे रही हेम्स

144 लोगों के लिए संकटमोचक बनी एम्स की हेली इमरजेन्सी मेडिकल सर्विस

धीर सिंह "ब्यूरो "(उत्तराखंड)

ऋषिकेश। एम्स द्वारा संचालित हेली इमरजेन्सी मेडिकल सर्विस से अब तक सैकड़ों लोगों का जीवन बचाया जा चुका है। इस सेवा से न केवल दूर दराज के क्षेत्रों में दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति को गोल्डन ऑवर के दौरान एम्स पंहुचाने में मदद मिल रही है अपितु आपात स्थिति वाले गंभीर रोगी को भी त्वरित स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। पिछले एक वर्ष के दौरान ही इस सेवा के माध्यम से आपात स्थिति वाले 81 लोगों को अस्पताल पहुंचाकर समय रहते उनका इलाज उपलब्ध करवाया जा चुका है। राज्य सरकार के सहयोग से उपलब्ध करवाए जा रही हेली सेवाओं की मदद से यह सेवा निर्बाध रूप से जारी है।

हेली एम्बुलेंस पायलट प्रोजेक्ट के तहत 29 अक्टूबर 2024 को एम्स ऋषिकेश में हेली एम्बुलेंस मेडिकल सेवा शुरू हुई थी। केन्द्र और राज्य सरकार की साझेदारी में संचालित होने वाली देश की यह पहली एयर एंबुलेंस सेवा सुदूरवर्ती पहाड़ी क्षेत्रों में फंसे व्यक्ति और स्वास्थ्य कारणों से संकट में फंसे रोगियों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं आंकी जा सकती। इससे प्रदेश के किसी भी इलाके से गंभीर घायल अथवा संकटग्रस्त रोगी को कुछ ही समय के भीतर एम्स पंहुचाये जाने की सुविधा है। विशेष तौर से ट्रॉमा मामलों और आपदा के दौरान किसी व्यक्ति को समय पर अस्पताल पंहुचाने में इस सेवा का विशेष लाभ मिल रहा है। राज्य में आपात कालीन स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा दे रही हेम्स स्वास्थ्य सुविधा अब तक 144 लोगों के लिए संकट मोचक साबित हो चुकी है।

निर्बाध रूप से जारी है हेम्स सेवा

ऋषिकेश। पिछले वर्ष 17 मई 2025 को केदारनाथ में लैंडिंग करते समय संजीवनी के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बावजूद हेली सेवाओं के माध्यम से आपात स्थिति वाले रोगियों को एम्स पंहुचाये जाने का क्रम लगातार जारी है। इस मामले में 18 मई 2025 से ही राज्य सरकार आवश्यकता के अनुसार एम्स को तत्काल हेली सेवा उपलब्ध करवा रही है। संस्थान में हेम्स के नोडल अधिकारी डॉ. मधुर उनियाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाए जा रहे हेलीकॉप्टर सेवा की मदद से आपातकालीन एयर एंबुलेंस सेवा में कोई रूकावट नहीं आयी है। उन्होंने बताया कि आपदाग्रस्त और गंभीर श्रेणी के मरीजों को तत्काल व उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एम्स व राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से संचालित यह आपातकालीन सेवा लगातार जारी है। डॉ. उनियाल ने बताया कि संस्थान द्वारा इसके लिए टोल फ्री नंबर-18001804278 और व्हाट्सएप नंबर 9084670331 जारी किया गया है। इन नंबरों पर संपर्क कर हेम्स सर्विस के लिए मदद ली जा सकती है।

इंसेट-

ट्रॉमा के 64 पेशेन्टों सहित 28 महिलाओं को भी मिल चुका लाभ

ऋषिकेश। हेली इमरजेन्सी मेडिकल सर्विस (हेम्स) सेवा की बदौलत 29 अक्टूबर 2024 से 17 मई 2025 तक इलाज हेतु कुल 63 गंभीर लोगों को एम्स पंहुचाया गया। इनमें ट्रॉमा के 27, स्त्री व प्रसूति रोग संबंधी मामलों के 17, हृदय व मेडिसिन के 17 और नवजात शिशुओं के 2 मामलों के रोगी शामिल हैं। जबकि केदारनाथ में संजीवनी क्रैश हो जाने के बाद राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही हेली सर्विस की मदद से 18 मई 2025 से 25 अप्रैल 2026 तक 81 लोगों को इस सेवा का लाभ मिला है। इनमें ट्रॉमा के 37, स्त्री व प्रसूति रोग के 11, मेडिसिन के 27 और बालरोग के 6 मामले शामिल हैं।इंसेट-

संस्थान सभी प्रकार के गंभीर रोगियों के उपचार हेतु सदैव तत्पर है। हेलीकॉप्टर के माध्यम से जो भी रोगी अब तक यहां लाए गए हैं, वे सभी अत्यंत गंभीर अवस्था में थे। संस्थान उन्हें उच्चस्तरीय (टर्शियरी केयर) उपचार प्रदान करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। हेम्स द्वारा अब तक प्राप्त परिणाम अत्यंत सकारात्मक और संतोषजनक रहे हैं। चारधाम यात्रा के दृष्टिगत हेम्स सेवा की आवश्यकता और इसके उपयोग में वृद्धि होने की संभावना है।

- प्रो. मीनू सिंह, कार्यकारी निदेशक, एम्स ऋषिकेश।